

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1-सण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 217]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 3, 1977/कार्तिक 12, 1899

No. 217]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 3, 1977/KART (A 12, 1899)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 3rd November 1977

Subject.—Import of Iron and Steel items by Actual Users registered with the D.G.T.D including public sector undertakings borne on the books of D.G.T.D.—Procedure regarding

No. 97-ITC(PN)/77.—In terms of the provisions of paragraph 5(1) (xx) of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78, and Schedule-G of Appendix-41 to the Import Trade Control Policy (Vol I) for the period April, 1977—March, 1978, applications of Actual Users registered with the Directorate General of Technical Development, including public sector undertakings borne on the books of the DGTD are to be made in respect of their imported iron and steel requirements to the Dy Chief Controller of Imports and Exports (Iron and Steel), Central Govt Office Building, New Township—IV, Faridabad. The matter has now been reviewed and it has been decided that all such applications should be submitted to the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the 21st November, 1977. The applications from the non-IDA industries may also be made in the same manner as laid down for the IDA industries as indicated in paragraph 50 of the ITC Policy Book, Volume I for 1977-78.

- 2 Applications already made, or being made to that office upto the 20th November, 1977, will be dealt with by the Dy Chief Controller of Imports and Exports, Faridabad, only
- 3 Requests in the current licensing period for amendment of licences and revalidation etc., of licences issued (or to be issued as above) by the Dy Chief Controller of Imports and Exports, Faridabad and all one-spondence in respect of applications made, or to be made upto the 20th November, 1977, will continue to be dealt by him and should be addressed to him
- 4 The relevant provisions of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78 and import Trade Control Policy for AM 1977-78 (Vol I) may be deemed to have been amended accordingly

K V SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports

काणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

ग्रायात ध्यापार नियंत्ररा

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1977

विषय — शेवजीवटीवडीव की किताब में श्राये हुए मार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमां सहित शेवजीवटीवडीव के माथ पजीकृत वास्तिवक उपयोक्ताश्रा द्वारा लोहा तथा इस्पात मदो के श्रायात के सम्बन्ध में कियाविधि ।

स० 97-प्राई टी सी (पी एन)/77 -- प्रायात व्यापार नियत्नण हैण्डबुक कियाविधि 1977-78 की किंडका 5(1)(20) द्वारा प्रप्रैल 1977-मार्च 1978 प्रविध के नियं ग्रायात व्यापार नियत्नण नीति (वा०1) के परिणिष्ट 41 की ग्रनुमूची-(जी) के ग्रनुमार डी० जी० टी० डी० किताब मे श्राये हुए सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों महित डी० जी० टी० डी० के माथ पजीकृत वास्तविक उपपानताओं के प्रावेदन-पत्न उनके ग्रायातित लोहा तथा इस्पात की ग्रावश्यकताओं के सम्बन्ध में उप-मुख्य नियत्रक, ग्रायात-निर्यात (तोहा तथा इस्पात), केन्द्रीय मरकारी कार्यालय बिल्डिंग, न्य् टाउनिणिय, 4, फरीदाबाद को भेजें जाने हैं। प्रब मामले की पुनरीक्षा की गई हैं ग्रीर यह निष्चय किया गया है कि 21 नवम्बर, 1977 में इस प्रकार के ग्रावेदन-पत्न मुख्य नियत्नक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली को भेजें जाने चाहिए। गैर ग्राई० डी० ए० उद्योगों के ग्रावेदन-पत्न भी 1977-78 के लिए ग्रायात व्यापार नियत्नण नीति पुस्तक (बा० 1) की कडिका 50 में यथा सकेतित ग्राई० डी० ए० उद्योगों के लिए निर्धारित तरीके में भेजें जा मकते हैं।

- 2 20 नवम्बर, 1977 तक इस कार्यालय मे भेजे गए और पहले ही भेज दियं गये या अभी भेजे जा रहे आवेदन-पत्नो पर निचार केवल उप-मुख्य नियतक, श्रायात-निर्यात फरीदाबाद द्वारा ही किया जाएगा ।
- 3 उत-मुख्य नियन्नक, स्रायात-निर्यात, फरीदाबाद द्वारा जारी किए गए (या उपर्युक्ता-नुमार जारी किए जाने वाले) लाइसेसो के समोधत और पुनर्वेधीकरण के लिए वर्तमान लाइसेस स्रविधि के दौरान द्यावेदनो पर स्रौर किए गए स्रवेदना पा 20 नवस्वर, 1977 तक किए जाने वाले स्रावेदनो के सम्बन्ध मे पत्राचार गर विचार उन्ही द्वारा निया जाता रहेगा स्रौर उन्हे उन्ही के नाम मे सम्बाधित किया जाता चाहिए।

4. श्रायात व्यापार नियंत्रण हैण्डबुक क्रियाविधि 1977-78 श्रीर श्रिप्रैस-मार्च, 1977-78 के लिए श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (वा० 1) की सम्बन्धित व्यवस्थाश्रो से तदनुसार सम्बन्धित क्या गया समझा जाए।

का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-नियक्ति।